



शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय
किला भवन, इन्दौर



प्रायोजक

म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम विश्वबैंक परियोजना



डॉ. चंदा तलेरा जैन
(प्राचार्य)

आयोजक

हिन्दी विभाग



डॉ. पुष्पा शाक्य
(विभागाध्यक्ष)

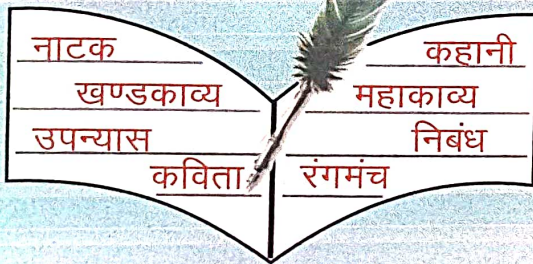
रचनात्मक वैविध्य लेखन



डॉ. शोभना जोशी
(संयोजक)



डॉ. अलका श्रीवास्तव
(समन्वयक)



साहित्य एवं भाषा के क्षेत्र में सम्मानजनक आजीविका के साथ ही यश की भी अपार संभावनाएं हैं बशर्ते साहित्य विषय की औपचारिक सैद्धांतिक शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की रचनात्मकता भी उन्नत हो, इस दिशा में यह प्रयास है। युवाओं में संवेदनशीलता वैचारिकता रहती ही है, बस उसे एक दिशा देनी होती है। साहित्य की विभिन्न विधाओं में छात्राएं कैसे अपने

विचार एवं संवेदना मूर्त कर सकते हैं, इसका प्रशिक्षण इस कार्यशाला का उद्देश्य है। यह प्रशिक्षण छात्राओं के लिए प्रेरणास्पद तो रहेगा ही उन्हें साहित्य एवं भाषा के क्षेत्र में, 'रचनात्मक लेखन, डिजिटल मीडिया, पत्रकारिता' में रोजगार के अवसर खोजने में भी सहायक सिद्ध होगा।

02 जनवरी 2023 से 07 जनवरी 2023

समय
11:00 से दोपहर 3:00

स्थान
श्री विवेकानंद सभागृह, कक्ष-44

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय
किला भवन, इन्दौर

हिन्दी विभाग कार्यशाला

02 जनवरी से 07 जनवरी 2023

रचनात्मक वैविध्य लेखन

क्रमांक	दिनांक	वक्ता का नाम	शीर्षक
1	02/01/2023 (उद्घाटन सत्र)	डॉ. सोनाली नरगुंदे	डिजिटल मीडिया
2	03/1/2023	डॉ. संध्या गंगराड़े	निबंध कला
3	04/01/2023	डॉ. वंदना अग्निहोत्री	संस्मरण-लेखन
4	05/01/2023	डॉ. शोभा जैन	साहित्य-आलोचना
5	06/01/2023	डॉ. पुष्पेन्द्र दुबे	कविता-रचना
6	07/01/2023 (समापन सत्र)	श्री ईश्वर शर्मा (नई दुनिया)	पत्रकारिता की भाषा

रचनात्मक वैविध्य लेखन

उद्देश्य

उद्देश्य साहित्य विषय की औपचारिक, सैद्धांतिक शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की रचनात्मकता भी उन्नत हो। इस दिशा में यह प्रयास है।

युवाओं में संवेदनशीलता वैचारिकता रहती ही है, बस उसे एक दिशा देनी होती है। साहित्य की विभिन्न विधाओं में छात्राएं कैसे अपने विचार एवं संवेदना मूर्त कर सकते हैं। इसका प्रशिक्षण इस कार्यशाला का उद्देश्य है।

किसी को सृजन सिखाया तो नहीं जा सकता है लेकिन शिक्षण संस्था द्वारा जिसमें सर्जनात्मक क्षमता है, उसे और अधिक निखारा जा सकता है। छात्राओं को दिशा देने की आवश्यकता होती है।

साहित्य और भाषा के क्षेत्र में सम्मानजनक आजीविका की भी अपार संभावनाएं हैं। रचनात्मक लेखन, डिजिटल मीडिया, पत्रकारिता में रोजगार के कई अवसर खोजने में यह कार्यशाला सहायक सिद्ध होगी। यह प्रशिक्षण छात्राओं के लिए प्रेरणास्पद तो रहेगा ही। एवं साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराते हुए हमारे विषय विशेषज्ञ उन्हें रोजगारोन्मुख दिशाएं भी निर्देशित कर सकेंगे।



शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन, इन्दौर



प्रायोजक

म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन
कार्यक्रम विश्वबैंक परियोजना

आयोजक
हिन्दी विभाग

रेखणीटमक वैविध्य लेखन

02 जनवरी से 07 जनवरी 2023

स्थान – श्री विवेकानंद सभागृह, कक्ष – 44



डॉ. सोनाली नरगुंदे
(अध्यक्ष: जनसंचार एवं पत्रकारिता)



डॉ. संध्या गंगराड़े
(पूर्व प्राध्यापक, साहित्यकार)



डॉ. वंदना अग्निहोत्री
(अध्यक्ष: देवी अहिल्या वि.वि. इन्दौर)



डॉ. शोभा जैन
(स्वतंत्र लेखन, संपादक)



डॉ. पुष्पेन्द्र दुबे
(विभागाध्यक्ष रजजजीतसिंह कॉलेज इन्दौर)



श्री ईश्वर शर्मा
(नईदुनिया, साहित्य संपादक
म.प्र. छत्तीसगढ़)

प्रतिवेदन

कार्यशाला के उद्घाटन दिवस पर डॉ. सोनाली नरगुंदे अध्यक्ष जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग ने डिजिटल मीडिया पर बहुत महत्वपूर्ण एवं विस्तारपूर्वक जानकारी दी। डिजिटल मीडिया का सफर सूचना क्रांति युग से प्रारम्भ, विकास, मीडिया के प्रकार ट्रेडिशनल मीडिया, सोशल मीडिया ग्राफिक्स, एनीमेशन, ऑडियो विडिओ, वेब डिजाइन को बताया। इन सब के साथ उपयोग, प्रयोग में आने वाली चुनौतियों का भी खुलासा किया। डॉ. नरगुंदे ने ब्लॉग लिखना, कंटेंट क्रिएशन, प्रजेंटेशन की चुनौतियों सावधानियों से अवगत कराते हुए वर्तमान में भविष्य में रोजगार की अनंत संभावनाएं एवं उनके नकारात्मक प्रभाव, खतरों से सावधान किया। जिससे हमारी छात्राएं लाभान्वित हुईं।

कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. गंगराड़े, पूर्व प्राध्यापक हिंदी ने निबंध लेखन रचना प्रक्रिया परम्परागत के साथ अनेक वैचारिक, सामाजिक विषय वस्तुओं पर कैसे विचार दृष्टि बनती है। यह बताया। आपने बहुत ही सरल भाव भाषा में रचना प्रक्रिया का विश्लेषण किया।

कार्यशाला की अगली कड़ी में संस्मरण से परिचय कराया। डॉ. वंदना अग्निहोत्री प्राध्यापक एवं कला संकाय की अध्यक्ष दे. अ. वि. वि. ने। आपने संस्मरण को परिभाषित करते हुए कहा किसी व्यक्ति के जीवन को चारित्रिक निजताओं को प्रकट करने वाली रोचक, मार्मिक घटनाओं को शब्दबद्ध किये जाने को संस्मरण कहते हैं। आपने संस्मरण के आंतरिक रूप में आवश्यक सहानुभूतिपूर्ण हृदय, व्यक्तिगत संपर्क, लेखक की स्व निरीक्षण की क्षमता के साथ संस्मरण कैसे रोचक हो यह बताया। हिंदी में संस्मरण आयु में छोटा होते हुए भी पर्याप्त विकास की और अग्रसर है।

कार्यशाला के चतुर्थ दिवस में डॉ. शोभा जैन साहित्यकार ने आलोचना विषय पर अपना व्यक्तव्य दिया। आपने आलोचना विधा को विस्तार से बताया। आलोचना में किसी रचना को उसके सभी आयामों को देखते परखते हैं। आलोचना का लोकतंत्र लगातार सिमटता जा है। आलोचना से कठिन विषय को आपने बड़े ही सरलतम तरीके भाव, विचार, तर्क से समझाया।

कार्यशाला के पांचवे दिन डॉ. पुष्पेंद्र दुबे प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष रणजितसिंह महाविद्यालय का व्याख्यान हुआ। आपने कविता रचना पर अपना व्यक्तव्य बड़े ही रोचक ढंग से छात्राओं के साथ संवाद करते हुए दिया। कविता की रचना प्रक्रिया से रूबरू करते हुए कहा कविता हमारे जीवन में किसी भी क्षण बसंत की तरह आ सकती है। कविता क्या है, उसके उपकरण – शब्द, वाणी लय कैसे दुःख सुख में व्यक्त होती हैं भावों को शब्दों में कैसे गढ़ना यह बताया।

कार्यशाला के समापन दिवस में श्री ईश्वर शर्मा जी नईदुनिया से, साहित्य संपादक म.प्र. छत्तीसगढ़ ने साहित्य के रचना वैविध्य लेखन के विगत पांच दिवस से चल रहे इस महाज्ञय में अपने व्यक्तव्य की पूर्णाहुति दी। गहन गंभीरता के साथ भाषा की महत्ता समझाई।

परिणामोन्मुखी गतिविधि

हिंदी विभाग ने २ जनवरी २०२३ से ०७ जनवरी २०२३ तक साप्ताहिक "रचनात्मक वैविध्य लेखन" कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यशाला में चूँकि साहित्य रचना की विविध विधाओं का लेखन प्रशिक्षण दिया गया। अतः इस प्रशिक्षण को परिणामोन्मुखी बनाने के लिए उपस्थित प्रशिक्षुओं से प्रतिदिन रिपोर्ट-लेखन करवाया गया। इसकी सार्थकता यह रही कि सभी छात्राओं की सहभागिता होने से उनमें सक्रियता रही तथा उनके लेखन से परिणाम समक्ष आए।

दूसरे स्तर पर निबंध एवं संस्मरण लेखन की प्रतिस्पर्धा भी रखी गई। इसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कार स्वरूप प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सभी सहभागी छात्राओं को भी प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

क्र.	छात्रा का नाम	कक्षा	विषय
1	सोनल गिरि	एम. ए. प्रथम	समन्वयक
2	दिव्या नागर	एम. ए. IV	सामान्य ज्ञान में उत्तम
3	चेतना चौहान	बी. ए. द्वितीय वर्ष	सामान्य ज्ञान में उत्तम
4	मेघा सोनी	बी. ए. तृतीय वर्ष	सुन्दर वंदना प्रस्तुती

रचनात्मक लेखन, रिपोर्ट, निबंध, संस्मरण, श्रेष्ठ लेखन

क्र.	छात्रा का नाम	कक्षा	विषय
1	सुनयना प्रजापत	एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	रिपोर्ट में प्रथम / संस्मरण प्रथम
2	कल्पना नागर	एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर	निबंध द्वितीय
3	हंसा नागर	एम. ए. प्रथम	निबंध द्वितीय
4	सुलोचना भाबर	एम. ए. चतुर्थ	निबंध तृतीय
5	सोनल गिरि	एम. ए. प्रथम	संस्मरण प्रोत्साहन
6	पलक पाण्डेय	बी. ए. द्वितीय	सामान्य ज्ञान उत्कृष्ट
7	वैशाली भार्गव	बी. ए. द्वितीय	प्रोत्साहन फोटोग्राफी

कार्यशाला में सहयोग

क्र.	छात्रा का नाम	कक्षा
1	कल्पना नागर	एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर
2	निधि गर्ग	एम. ए. प्रथम
3	दीपिका बागड़ी	एम. ए. प्रथम
4	सोनिया चौहान	एम. ए. IV
5	ललिता अलावे	एम. ए. IV
6	सृष्टि यादव	एम. ए. IV
7	उषा डाबर	एम. ए. IV



शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय

किला भवन, इन्दौर (म.प्र.)



प्रायोजक म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम विश्वबैंक परियोजना

हिन्दी विभाग

प्रमाण-पत्र

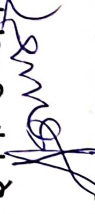
सत्र 2022-2023

“रचनात्मक वैविध्य लेखन”

यह सहर्ष प्रमाणित किया जाता है कि, कु. / श्री / श्रीमती _____

कक्षा _____ “रचनात्मक लेखन” कार्यशाला में सक्रिय सहभागी रहीं ।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं ।



विभागाध्यक्ष

(डॉ. पुष्पा शाक्य)



संयोजक

(डॉ. शोमना जोशी)

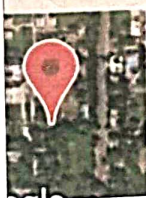
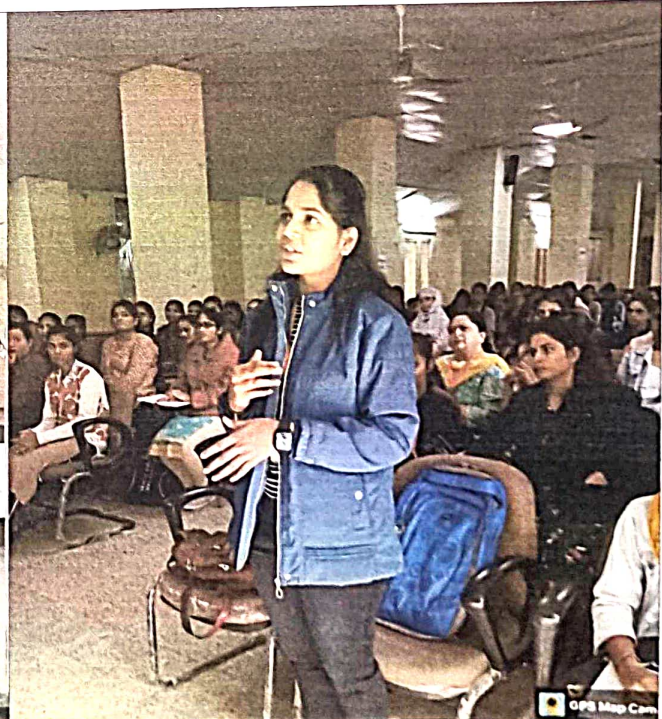


प्राचार्य

(डॉ. चन्दा तलेरा जैन)



Indore, Madhya Pradesh, India
 V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15
 15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 45200
 Lat 22.728225°
 Long 75.845084°
 02/01/23 01:09 PM GMT +05:30



Indore, Madhya Pradesh, India
 V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan
 15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
 Lat 22.728224°
 Long 75.845085°
 02/01/23 12:07 PM GMT +05:30



Indore, Madhya Pradesh, India
 V.I.P. Rd, PRHW+92F, Kila Maidan Rd, near 15 Bataliyan
 15th Battalion, Indore, Madhya Pradesh 452006, India
 Lat 22.728223°
 Long 75.845084°
 02/01/23 01:03 PM GMT +05:30

